

उत्तराखण्ड शासन  
उच्च शिक्षा अनुभाग-7


संख्या: 2942/XXIV(7)/2014-35(01)/2014  
देहरादून, दिनांक: 25 नवम्बर, 2014

डा० पारुल दुबे,  
पत्नी श्री अजय मिश्रा विवाहित अधिकारी आवास,  
सी-5/8 आई0आर0डी0ई0, विज्ञान विहार,  
रायपुर रोड-देहरादून।

शासन के नियुक्ति/विज्ञप्ति संख्या: 2392/XXIV(7)/2014-24(01)/2012-T.C; दिनांक: 16.08.2014 के द्वारा आपकी नियुक्ति असिस्टेंट प्रोफेसर (प्रवक्ता) अंग्रेजी के पद पर राजकीय महाविद्यालय, नरेन्द्रनगर-टिहरी में करते हुए आपको एक माह के अन्दर संबंधित महाविद्यालय में योगदान करने हेतु निर्देशित किया गया था। परन्तु आपके द्वारा उक्त निर्धारित समयावधि व्यतीत होने के उपरांत भी पद पर योगदान नहीं किया गया है। आपने अपने पत्र दिनांक: 16.09.2014 द्वारा यह अवगत कराया है कि यदि मेरी प्रथम नियुक्ति पर तैनाती राज0महा0 रायपुर या डोईवाला, देहरादून में की जाती है तो उक्त नियुक्ति को स्वीकार कर सकती थी, परन्तु मुझे प्रदान की गयी नियुक्ति को स्वीकार करने में असमर्थ हूँ। नियुक्ति सरात स्वीकार किये जाने की नियमों में व्यवस्था नहीं है।

2. उक्त के क्रम में अवगत कराया जाना है कि कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2607/XXX(II)/2005, दिनांक: 26.08.2005 में यह व्यवस्था है कि नवनियुक्त अश्वर्थी एक माह के अन्दर कार्यभार ग्रहण करें, जिसे अपरिहार्य परिस्थितियों में एक माह तक और बढ़ाया जा सकता है। आपकी नियुक्ति/विज्ञप्ति दिनांक: 16.08.2014 द्वारा की गई है। उक्त तिथि से योगदान हेतु एक माह की समय सीमा दिनांक: 16.09.2014 को पूरी हो जाती है तथा उक्त तिथि से नियमानुसार एक माह का अतिरिक्त समय दिनांक: 16.10.2014 को पूर्ण हो जाता है।

3. चूंकि नियमों में नवनियुक्ति के उपरांत योगदान हेतु दीर्घावधिक अतिरिक्त समय प्रदान किये जाने अथवा सरात नियुक्ति प्रदान करने की व्यवस्था नहीं है। चूंकि यह भी आपके द्वारा पूर्व ही सूचित कर दिया गया है कि उक्त नियुक्ति को आप अस्वीकार करती हैं तथापि नियमानुसार आपके द्वारा अपनी प्रथम नियुक्ति/तैनाती दिनांक 16.08.2014 से एक माह दिनांक 16.09.2014 तथा एक माह अतिरिक्त का समय दिनांक 16.10.2014 तक भी योगदान आख्या प्रस्तुत नहीं की गयी है। अतः आपको अंतिम अवसर प्रदान करते हुए निर्देशित किया जाता है कि पत्र प्राप्ति के 01(एक) सप्ताह के भीतर अपनी प्रथम नियुक्ति/तैनाती स्थल पर योगदान देना सुनिश्चित करें। उक्त निर्धारित समयावधि के भीतर यदि योगदान नहीं दिया जाता है तो उक्त नियुक्ति को अस्वीकार किये जाने सम्बन्धी आपके अनुरोध के क्रम में नियुक्ति हेतु आपका अग्रार्थन समाप्त कर आपकी नियुक्ति समाप्त कर दी जायेगी।

  
(निधि मणि त्रिपाठी)  
प्रभारी सचिव।